Marwari College, Darbhanga, Date- 27/04/20

Study Material

Subject- Psychology (Hons), B.A. Part-1, Paper-II

Topic- Observation Method of Social Psychology.
(सामाजिक मनोविज्ञान की निरीक्षण विधि)

* परिचय (निरीक्षण विधि) :-
* निरीक्षण विधि का अर्थ :
* निरीक्षण विधि की परिभाषा :
* अवलोकन विधि का विश्लेषण :
* निरीक्षण (अवलोकन) विधि के गुण :
* निरीक्षण विधि के दोष :
* निष्कर्ष :

Dr. S. K. Suman
Asst. Prof.
Dept. of Psychology.

Scanned with CamScanner

प्रयोगकर्ता

Q.2. समाज मनोविज्ञान की निरीक्षण विधि के गुण-दोषों की विवचेना करें। (Discuss the merits and demerits of Observation method of Social Psychology.) Or, समाज मनोविज्ञान की निरीक्षण विधि के प्रकारों का वर्णन करें। Or, समाज मनोविज्ञान में निरीक्षण विधि के स्वरूप एवं उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिए।

Ans. निरीक्षण विधि (Observation Method) का समाज मनोविज्ञान में विशेष महत्व स्वीकारा गया है। यह सही है कि वर्तमान युग में प्रयोगात्मक विधि का अधिक महत्व माना है, परन्तु कुछ मनोवैज्ञानिक अध्ययनों के लिए निरीक्षण विधि ही एकमात्र श्रेष्ठ विधि है। ऑक्सफोर्ड के अनुसार, निरीक्षण विधि का अर्थ है "घटनाओं को जैसे कि वे प्रकृति में होती हैं, कार्य और कारण अथवा परस्पर सम्बन्ध की दृष्टि से यथातथ्य देखना और नोट करना।" निरीक्षण विधि प्रयोग विधि से भिन्न है। प्रयोग-विधि के अन्तर्गत विषय अथवा व्यक्ति को नियंत्रित परिस्थितियों में रखा जाता है।

गुडे एवं हाट ने इसकी उपयोगिता एवं महत्ता बतलाते हुए लिखा है—"विज्ञान अवलोकन से प्रारम्भ होता है एवं उसकी पुष्टि के लिए अन्तत: अवलोकन पर ही लौट आना पड़ता है।" प्राय: समस्त विज्ञान इसी अवलोकन विधि का सहारा लेते हैं। अवलोकन विधि प्राथमिक सामग्री (Primary Data) के संकलन की प्रत्यक्ष विधि है। अवलोकन विधि की परिभाषा यंग ने इस प्रकार लिखी है—अवलोकन चक्षुओं द्वारा एक विचारपूर्वक अध्ययन को सामूहिक व्यवहार एवं जटिल सामाजिक संस्थाओं, साथ ही साथ पूर्णता रखने वाली पृथक इकाइयों के अनुवीक्षण हेतु एक प्रणाली के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

निरीक्षण विधि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अनुसंधानकर्ता अध्ययन के अन्तर्गत आये समूहों के जीवन में भाग लेते हुए या उनसे दूर बैठकर उनके सामाजिक व्यवहार का अपनी इन्द्रियों द्वारा अवलोकन करता है। अवलोकन विधि का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित तथ्य मुख्य रूप से स्पष्ट होते हैं—

1. इसका उपयोग मुख्यत: प्राथमिक तथ्यों के संग्रह के लिए किया जाता है।
2. निरीक्षणकर्ता स्वयं प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन करता है अर्थात् प्रत्यक्ष रूप से उसमें भाग भी ले सकता है।
3. अवलोकन विधि में इन्द्रियों का पूर्ण उपयोग करना पड़ता है, विशेष रूप से चक्षुओं का।
4. यह एक प्रकार का विचारपूर्वक अध्ययन है।
5. सामूहिक व्यवहार के अध्ययन के लिए निरीक्षण किया जाता है।

निरीक्षण विधि के लाभ या गुण (Merits of Observation Method) :

इसके मुख्य लाभ निम्नलिखित हैं—

1. यह एक व्यापक पद्धति है : इसके द्वारा हर क्षेत्र में अध्ययन किया जा सकता है। ऐसे व्यक्तियों का भी अध्ययन किया जा सकता है जो न तो पढ़े-लिखे होते हैं और न ही जिन्हें भाषा का पर्याप्त ज्ञान होता है।

2. स्वाभाविक परिस्थितियों में अध्ययन : इस विधि द्वारा किया गया अध्ययन

Scanned with CamScanner

सदैव स्वाभाविक परिस्थितियों में होता है। अतः कहा जा सकता है कि कोई व्यक्ति प्रदर्शन के समय कैसा व्यवहार करता है, यह केवल निरीक्षण विधि द्वारा ही जाना जा सकता है।

3. पर्याप्त वस्तुनिष्ठता : इस विधि में वस्तुनिष्ठता के पर्याप्त गुण मौजूद रहते हैं। इस विधि में व्यवहार को प्रत्यक्ष रूप से देखा जाता है तथा लिखा जाता है। इस स्थिति में वस्तुनिष्ठ अध्ययन पूर्णरूप से सम्भव होता है।

निरीक्षण विधि की कठिनाइयाँ या दोष (Difficulties or Demerits of Observation Method) : निरीक्षण विधि में कुछ दोष भी हैं जिसके कारण अध्ययन करते समय कुछ कठिनाईयों का सामना भी करना पड़ता है, जो निम्नलिखित हैं—

1. पक्षपात की आशंका : प्रत्येक अध्ययनकर्ता के कुछ-न-कुछ पूर्वाग्रह होते हैं। इन पूर्वाग्रहों के कारण पक्षपात की आशंका रहती है।

2. पर्याप्त प्रशिक्षण तथा अभ्यास की कमी : सामान्य रूप से साधारण निरीक्षणकर्ता न तो समुचित रूप से प्रशिक्षित ही होते हैं और न ही उन्हें वास्तविक निरीक्षण का अभ्यास होता है, जिस कारण दोषपूर्ण अध्ययन सम्भव है।

3. व्यक्तिगत रूचि का प्रभाव : निरीक्षणकर्ता की कुछ विशिष्ट रुचियाँ होती हैं। निरीक्षण के समय वह अपनी रूचियों से सम्बन्धित तथ्यों पर सामान्य से अधिक ध्यान देता है तथा उन्हें अधिक महत्व देता है। इसके परिणामस्वरूप कुछ अन्य आवश्यक तत्व निरीक्षण में या तो छूट जाते हैं या हम उनकी अवहेलना कर देते हैं।

Scanned with CamScanner